सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 341, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड देवरियाः लानत है ऐसे कलियुगी पुत्र पर... Pg10

Pg12
चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सीएम योगी ने किसानों को दिए ट्रैक्टर

सावधानः चाऊमीन, मैगी, पिज्जा, बर्गर भी ले सकते हैं जान!

ज्यादा फास्ट फूड खाने से 11वीं की छात्रा की आंतें खराब, मौत

जंक फूड बना जहरः पेट दर्द से हार्ट फेल तक अमरोहा में फास्ट फूड बना काल, दिल्ली एम्स के डॉक्टर भी ना बचा पाए, मां-बाप की मनाही बेअसर

स्वाद ने छीनी सांसें

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अमरोहा। चटपटे और फास्ट फूड के स्वाद की लत कब जानलेवा बन जाए इसका अंदाजा शायद किसी ने नहीं लगाया था। अमरोहा से सामने आई ये खबर हम सभी को ना केवल झकझोर देने वाली है, बल्कि अलर्ट हो जाने को भी कहती है। यहां फास्टफूड की बेहद शौकीन 11वीं की छात्रा अहाना, जिसकी उम्र 16 साल है, की कहानी हर माता-पिता और युवा को हिलाकर रख देगी। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा और बर्गर जैसे जंक फूड ने धीरे-धीरे उसके शरीर को अंदर से खोखला कर दिया। आंतों में छेद, गंभीर संक्रमण और लंबा इलाज, सब कुछ सहने के बावजूद जिंदगी उसे बचा नहीं सकी। दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान अहाना की मौत ने फास्टफूड के खतरों पर एक दर्दनाक सवाल खड़ा कर दिया है।

दरअसल, फास्टफूड खाने का शौक 11वीं की छात्रा अहाना (16) की जान पर भारी पड़ गया। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा बर्गर खाने से उसकी आंतें खराब हो गईं, उनमें छेद हो गए। निजी अस्पताल में छात्रा का ऑपरेशन कराया गया। इसके बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान रविवार की रात छात्रा की मौत हो गई।

छात्रा अहाना अमरोहा नगर के मोहल्ला अफगानान में रहने वाले मंसूर खान की बेटी थी। किसान मंसूर खान के परिवार में पत्नी सारा खान के अलावा एक बेटा और दो बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी अहाना शहर के हाशमी गर्ल्स इंटर कॉलेज में 11वीं की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक, अहाना को फास्ट फूड खाने का शौक था। मना करने के बाद भी वह चाऊमीन, मैगी, पिज्जा-बर्गर जैसे फास्ट फूड खाती रहती थी। सितंबर माह में अहाना की तबीयत बिगड़ गई।

पेट में अधिक दर्द की शिकायत होने पर 30 नवंबर को उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी आंत चिपकने के साथ उनमें छेद होने की बात बताई। डॉक्टरों ने आंतें खराब होने का मुख्य कारण फास्ट फूड का सेवन बताया।

अस्पताल में भर्ती अहाना का 30 दिसंबर की रात डॉक्टर ने सफल ऑपरेशन किया। इसके 10 दिन बाद अहाना को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन अहाना लगातार कमजोर होती चली गई। चार दिन पहले उनकी दोबारा से तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजनों ने अहाना को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया।

परिजनों के मुताबिक, यहां अहाना की सेहत में कुछ सुधार हो गया था और वह चलने फिरने भी लगी थी। लेकिन रविवार की रात अचानक अहाना की तबीयत बिगड़ गई और हार्ट फेल होने से मौत हो गई। छात्रा अहाना के मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू ने बताया कि डॉक्टरों ने फास्ट फूड खाने से आंत खराब होने की वजह बताई है। होनहार अहाना की मौत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्ट्रीट फूड का तेल और सेहत पर छुपा खतरा

स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाला तेल अक्सर बार-बार तेज़ आंच पर गरम किया जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और हानिकारक रसायन बन जाते हैं। यही तेल जब लगातार शरीर में जाता है तो पाचन तंत्र की परत को नुकसान पहुंचा सकता है, आंतों में सूजन, अल्सर और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। खुले में रखे तेल में धूल, धुआं और बैक्टीरिया मिलकर उसे और ज़्यादा जहरीला बना देते हैं। सस्ता रखने के चक्कर में कई जगह रिफाइंड या मिलावटी तेल का इस्तेमाल किया जाता है, जो बच्चों और किशोरों के लिए सबसे अधिक खतरनाक साबित होता है। डॉक्टरों के मुताबिक लंबे समय तक ऐसा भोजन करने से पेट दर्द, उल्टी, गैस, आंतों की कमजोरी और गंभीर मामलों में आंत फटने जैसी स्थिति भी बन सकती है, इसलिए स्ट्रीट फूड का स्वाद जितना चटपटा है, उसका खतरा उतना ही गहरा है।

पर्ची छपवाकर फर्जी रंगबाजी

स्थानीय राहगीर की शिकायत पर कसा शिकंजा

बलिया में नकली पुलिस का भंडाफोड़ कर रहे थे अवैध वसूली, छह अरेस्ट

जबरन स्टिकर चिपकाकर धमकाते रंगे हाथ दबोचे

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पुलिस की वर्दी पहनकर अवैध वसूली करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी सड़क पर वाहनों को रोककर जबरन स्टिकर चिपकाते थे और इसके एवज में पैसे वसूल रहे थे।

मामला रसड़ा-कासिमाबाद राज्य मार्ग का है। सिलहटा के पास उस समय हड़कंप मच गया जब एक स्थानीय राहगीर ने इस फर्जीवाड़े की सूचना पुलिस को दी। शिकायतकर्ता के अनुसार, रविवार को वह अपनी कार से घर लौट रहे थे, तभी उन्होंने सड़क पर वाहनों की लंबी कतार देखी। पास जाकर पता चला कि कुछ लोग पुलिस की वर्दी में और कुछ सादे कपड़ों में वाहनों को रोककर जबरन स्टिकर चिपका रहे हैं और पैसे वसूल रहे हैं।

जब शिकायतकर्ता ने स्टिकर लगवाने और पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपियों ने वाहन का चालान करने की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां लंबा जाम लगा हुआ था और कुछ लोग वसूली करते हुए पकड़े गए। पुलिस ने मौके से एक बोलेरो वाहन, करीब 12 हजार रुपये

नकद, मोबाइल फोन और स्टिकर बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी अलग-अलग वाहनों से अलग-अलग रकम वसूल रहे थे। उनके पास से 50, 100, 200 और 300 रुपये की पर्चियां भी मिली हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मऊ जिले के सराय लखंसी थाना क्षेत्र के कहिनौर निवासी अनुज गिरी, मंदीप मौर्य, रामध्यान यादव तथा आजमगढ़ जिले के तहबरपुर थाना क्षेत्र के मेढ़ी निवासी धीरज गिरी, अमित गिरी और अजय यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान कर जेल भेज दिया है। मामले की आगे की जांच की जा रही है।

रैन बसेरा में कहीं गद्दे फटे तो कहीं कंबल नहीं...!

निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने नगर आयुक्त को लिखा लेटर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शासन ने ठंड का अलर्ट तो जारी कर दिया है, लेकिन नगर निगम के रैन बसेरे में काफी अव्यवस्थाएं हैं। डीएम के आदेश पर एसडीएम और एसीएम की गठित टीम की जांच में शेल्टर होम की पोल खुल गई। नगर निगम के 31 रैन बसरे के हालात यह थे कि कई में फटे गद्दे तो कहीं पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं मिला। अफसरों ने अपनी जांच रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है। इस संबंध में डीएम ने नगर आयुक्त को लेटर लिखा है कि रैन बसेरों के निरीक्षण में शासन के सभी मानकों का पालन नहीं हो रहा है। शासन के निर्देशों का अनुपालन किये जाने के साथ ही संबंधित अफसरों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

जांच रिपोर्ट का हाल देखिए

कार्डियोलॉजी के पास बना शैल्टर हाउस मिला बंद

भैरवघाट रैन बसेरा में शौचालय मिला गंदा, गद्दे खराब मिले

ग्वालटाली क मछली वाला हाता स्थित रैन बसेरा शौचालय खराब मिला

नई शिवली रोड के रैन बसेरा में पीने का पानी अव्यवस्थित, इमेरजेंसी लाइट नहीं मिला

रतन शुक्ला इंटर कॉलेज स्थित रैन बसेरा में कंबल, दरी, चादर बाल्टी कुछ नहीं मिला

रैन बसेरे में शासन के अनुरूप आदेश का पालन हो रहा है या नहीं, इसको लेकर डीएम ने सभी ह्यस्रद्ब और एसीएम को निरीक्षण का आदेश दिया था। इसमें नगर निगम की 3, बिल्हौर में तीन, नर्वल में दो और घाटमपुर तहसील में दो रैन बसेरे हैं। अफसरों को निरीक्षण में नगर निगम के कई शेल्टर होम्स में मूल.भूत सुविधायें ध् संसाधन मानक के अनुसार नहीं पाये गये है। जबकि शासन ने शीतलहर के दौरान चौराहोंए फुटपाथोंए खुले आसमान के नीचे रहने वाले बेसहारा व्यक्तियों के लिए अवस्थान में मूल.भूत सुविधायें ध्संसाधन को दिये जाने के निर्देश दिये हैं।

अनाज से भरे गोदाम में लगी भीषण आग टली बड़ी दुर्घटना

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। हरबंस मोहाल क्षेत्र स्थित गोपाल जी इंटरप्राइजेज के निजी निवास दानाखोरी परिसर में बने अनाज के गोदाम में सोमवार तड़के करीब साढ़े पाँच बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही गोदाम से धुएँ के घने गुबार उठने लगे, जिससे पूरे घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम में रखा अनाज का बड़ा हिस्सा जलकर नष्ट हो गया है। आग से लाखों से करोड़ों रुपये तक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण विद्युत दोष माना जा रहा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गोदाम मालिक चंद्रशेखर राठौर के अनुसार गोदाम में लाखों रुपये से अधिक मूल्य की अनाज की बोरियाँ रखी थीं, जिनके पूरी तरह बर्बाद होने की संभावना है।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल रहा, वहीं समय पर दमकल विभाग की कार्रवाई से आग को आसपास के रिहायशी हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

दो बार काटने वाले कुत्तों को होगी 'उम्र कैद'

» किशनपुर स्थित शेल्टर होम में 50 कुत्तों की क्षमता, पागल कुत्तों के लिए भी अलग व्यवस्था

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में बढ़ते डॉग अटैक मामलों को देखते हुए नगर निगम ने सख्त कदम उठाया है। अब ऐसे कुत्ते जो दो बार किसी को काटेंगे, उन्हें पकड़कर किशनपुर स्थित शेल्टर होम में आजीवन रखा जाएगा, वहीं उनकी खाने-पीने और देखभाल की ज़िम्मेदारी भी नगर निगम उठाएगा। पागल और कटखने कुत्तों के लिए भी यहां विशेष व्यवस्था की गई है। फिलहाल शेल्टर होम में तीन कुत्ते बंद हैं जिनमें विकास नगर में मालकिन पर हमला करने वाला कुत्ता और दो आवारा कुत्ते शामिल हैं। नगर निगम ने शेल्टर को शुरुआती चरण में 50 कुत्तों की क्षमता के साथ तैयार किया है। शहर में करीब सवा लाख कुत्ते मौजूद हैं जिनमें अब तक 35 हजार का बंध्याकरण किया जा चुका है। पिछले वर्ष लगभग 32 हजार लोगों को कुत्तों ने काटा था।

अस्पतालों में कुत्तों की एंट्री पर भी रोक

नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आर.के. निरंजन ने बताया कि यदि कोई कुत्ता पहली बार काटता है तो उसका बंध्याकरण करके 10 दिन निगरानी में रखा जाएगा, और रैबीज या पागलपन की पुष्टि न होने पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार उसे उसी स्थान पर छोड़ा जाएगा। यदि कोई कुत्ता गोद लेना चाहे तो उसे आजन्म देखभाल का हलफनामा देना होगा।मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सभी सरकारी व निजी अस्पतालों को कुत्तों की एंट्री रोकने के लिए 6 फीट ऊंची बाउंड्रीवाल, मजबूत गेट, सुरक्षा गार्ड तथा निगरानी के लिए नोडल अफसर नियुक्त करने के आदेश दिए हैं।

बीस हजार श्रोता एक साथ सुन सकेंगे अपने-अपने राम

पंडाल में 12 एलईडी स्क्रीन और 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर। सुप्रसिद्ध कवि व लेखक डॉ. कुमार विश्वास चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में 26, 27 और 28 दिसंबर तक 'अपने-अपने राम' की कथा का वाचन करेंगे। इस भव्य आयोजन में एक साथ करीब 20 हजार श्रोताओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का आयोजन श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति द्वारा किया जा रहा है। कथा स्थल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वालों को राम कथा के पास निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल और महामंत्री मनीष दर्पण ने बताया कि अहमदाबाद के कारीगरों द्वारा लगभग 75 हजार वर्गफुट का विशाल पंडाल तैयार किया जा रहा है। कथा मंच दक्षिण भारत के राम मंदिरों के शिखर की तर्ज पर बनाया जाएगा। पंडाल में 12 एलईडी स्क्रीन और 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ठंड को देखते हुए पूरा पंडाल कवर रहेगा। पास प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड, समिति की वेबसाइट और फेसबुक पेज के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई है। कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया कि औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी तथा हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा ने राम कथा में शामिल होने की स्वीकृति दे दी है। समिति द्वारा मंधना में दान में प्राप्त 3680 गज भूमि पर महालक्ष्मी धाम के निर्माण की योजना भी प्रगति पर है।

कोहरे से थमी ट्रेनों की रफ्तार, यात्री कर रहे घंटों लंबा इंतज़ार

कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म और प्रतीक्षालय यात्रियों से खचाखच भरे नजर आए

» स्वराज इंडिया न्यूज, कानपुर।

उत्तर भारत में छाए घने कोहरे का व्यापक असर रेल यातायात पर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर कोहरे के चलते कई प्रमुख ट्रेनें घंटों विलंब से पहुंचीं और चलीं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा झेलनी पड़ी। कोहरे की वजह से ट्रेनों की गति सीमित कर दी गई है। इसका नतीजा यह रहा कि एक्सप्रेस, मेल और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्टेशन के प्लेटफॉर्म और प्रतीक्षालय यात्रियों से खचाखच भरे नजर आए। ठंड से बचने के लिए यात्री कंबल ओढ़े, बैग और बिस्तर के सहारे फर्श पर बैठकर ट्रेन आने का इंतजार करते दिखे। लंबे समय तक इंतजार के कारण यात्रियों में बेचैनी बढ़ती रही। छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों को ठंड और अव्यवस्था का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा।

कई यात्री मोबाइल पर लगातार ट्रेन की स्थिति देखते रहे, वहीं कुछ यात्री प्लेटफॉर्म पर ही रात बिताने को मजबूर हो गए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों का संचालन नियंत्रित गति से किया जा रहा है। मौसम साफ होने के बाद रेल सेवाओं को सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा।

अन्नदाताओं की चेतावनी: अभी तो ये अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है!

आंदोलन को भाकियू का समर्थन, किसानों ने लाठी दिखाकर लगाए नारे

मांगें नहीं मानी तो अगली बैठक में होगी बड़ी रणनीति तैयार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील से उप निबंधक कार्यालय को हटाकर अपराध बाहुल्य क्षेत्र में शिफ्ट किए जाने के फैसले के खिलाफ आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। अधिवक्ताओं का धरना सोमवार को 11वें दिन भी पूरी ताकत के साथ जारी रहा। तहसील परिसर में कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा और माहौल पूरी तरह आंदोलनकारी रंग में रंगा नजर आया। सोमवार को अधिवक्ताओं ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रशासन को साफ संदेश दे दिया कि यह लड़ाई अब पीछे हटने वाली नहीं है। उप निबंधक कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन और नारेबाजी के बीच आंदोलन को भारतीय किसान यूनियन का खुला समर्थन मिला। भाकियू के पदाधिकारियों के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने लाठी दिखाकर चेतावनी भरे नारे लगाए। कहा कि अभी तो यह अंगड़ाई है,आगे और लड़ाई है।

आंदोलन को और धार देते हुए बिल्हौर नगर पालिका के आधा दर्जन सभासद भी धरना स्थल पर पहुंचे। सभासदों ने प्रशासन पर जनहित की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि उप निबंधक कार्यालय को तहसील से दूर शिफ्ट करना आम जनता, किसानों और वकीलों के लिए खतरे और परेशानी का कारण बनेगा।

» उप निबंधक कार्यालय शिफ्टिंग के खिलाफ उबाल बरकरार।

» अधिवताओं की कलमबंद हड़ताल 11वें दिन भी जारी, कामकाज पूरी तरह ठप।

धरना स्थल पर मौजूद अधिवक्ताओं और किसान नेताओं ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उप निबंधक कार्यालय को पुराने स्थान पर वापस नहीं लाया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब यह लड़ाई सिर्फ वकीलों की नहीं, बल्कि पूरे बिल्हौर की आवाज बन चुकी है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कटियार एवं द लायर्स के अध्यक्ष प्रवीण कटियार ने बताया कि हम सभी प्रशासन के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। कानपुर जिला अधिकारी ने जो टीम गठित की थी। टीम ने जांच कर ली और रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को भेजी है। उन्होंने कहा यदि आम जनता और अधिवक्ताओं के हित में फैसला नहीं आता है। तो संगठन के साथ बैठक कर बड़ी रणनीति तैयार की जाएगी।

वारदात की फिराक में घूम रहा था शातिर तमंचे सहित दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार युवक किसी घटना को अंजाम देने की नीयत से क्षेत्र में घूम रहा था। पुलिस टीम अनूपपुरवा हाईवे अंडरपास के पास गश्त व चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और मौके से भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया।

गिरफ्तार युवक की पहचान रोहित त्रिवेदी उर्फ माईकल (32) निवासी दादारपुर कटहा के रूप में हुई है। बिल्हौर इंस्पेक्टर ने बताया कि बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है। आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में कस्बा चौकी प्रभारी प्रेमवीर सिंह, उप निरीक्षक संदीप कुमार, शुभम देशवाल सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

चौबेपुर ब्लॉक परिसर में नवजात शिशु का शव मिलने से मचा हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील क्षेत्र के चौबेपुर ब्लॉक परिसर में सोमवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब वहां झाड़ियों के बीच एक नवजात शिशु का शव पड़ा मिला। सुबह के समय परिसर में मौजूद कर्मचारियों की नजर उस वक्त पड़ी, जब आवारा कुत्ते शव को नोचते दिखाई दिए। बताया गया कि कुत्तों ने नवजात का एक हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया था।

घटना की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों ने कुत्तों को भगाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया, आवश्यक जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि रात के अंधेरे में किसी अज्ञात व्यक्ति ने नवजात को ब्लॉक परिसर की झाड़ियों में छोड़ दिया होगा। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह अमानवीय कृत्य किसने किया।

इस घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद के नेता पर सहकारी समिति की महिला कर्मी ने दर्ज कराई एफआईआर

» सचिव से बिना आधार कार्ड यूरिया देने की माँग असमर्थता पर जान से मारने की धमकी का आरोप।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। थाना क्षेत्र बिल्हौर में सहकारी समिति की सचिव को फोन पर धमकी देने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने और पीछा करने के मामले में पुलिस ने विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी समेत अन्य पर एफआईआर दर्ज की है।

शाहमपुर कोट गांव के बीबीपुर सहकारी समिति की सचिव सीता पाल ने बिल्हौर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 16 दिसंबर 2025 को अपराह्न करीब 3 बजे विश्वनाथ कटियार पुत्र अमरनाथ कटियार, निवासी ग्राम बीबीपुर (हाल निवासी आशिक बाग, बिल्हौर) ने फोन कर उनसे बिना आधार कार्ड लगाए 20 बोरी यूरिया देने की मांग की। आरोप है कि जब उन्होंने नियमों के तहत खिलाफ खाद देने में असमर्थता जताई तो आरोप है कि विश्वनाथ कटियार ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने और ट्रांसफर कराने की धमकी दी।

पीड़िता ने आगे बताया कि उन्होंने खुद को जिला प्रचारक (आरएसएस) बताकर दबाव बनाया। इसके बाद जब वह कार्यालय से बैंक जाने के लिए निकलीं, तो पुलिया के पास सफेद रंग की कार से रास्ता रोककर उन्हें गाली-गलौज की गई। किसी तरह वह जिला सहकारी बैंक पहुंचीं, लेकिन वह वहां भी उनका पीछा करता हुआ पहुंच गया और खुद को प्रभावशाली और पैसे वाला बताकर दुर्व्यवहार किया। तहरीर में कुछ अज्ञात व्यक्तियों के भी शामिल होने का जिक्र किया गया है। थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि तहरीर के आधार पर सरकारी शिक्षक विश्वनाथ कटियार समेत अन्य अज्ञात पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वही शिक्षक विश्वनाथ कटियार ने बताया कि जो भी आरोप लगे हैं। वह सब निराधार हैं। मैं तीन बजे अपने स्कूल में था।

सम्पादकीय

महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगी कामयाबी

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया।नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं।निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

ज्योति मल्होत्रा

किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान...किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्धिमानी भरे निर्णय लेने होंगे।

अब जबकि हमारा देश 'भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है। डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना ज़रूरी है। उनका मानना था कि 'मनो-राजनीति' (साइकलोपॉलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है। स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक 'फार्माकोन' है- ज़हर जो इलाज भी करता है – और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना 'इस्तेमाल' करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग 'महत्वपूर्ण गहनता' के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में 'तकनीकी संप्रभुता' की अवधारणा का पुनर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यतः भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरुआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवतः चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया।

एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डाटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। , संवेदनशील डाटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डाटा हो। इस प्रकार, 'डेटा संप्रभुता' और 'एआई संप्रभुता' आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो।

आज राष्ट्रों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है। उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है।

ज़हरीले पानी से प्रवासी पक्षियों के जीवन पर संकट

साम्भर झील में प्रदूषण

ज्वाला सिंह दास

साम्भर झील, राजस्थान में प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है, लेकिन प्रदूषण, एवियन बोटुलिज्म और जलवायु परिवर्तन के कारण यह पक्षियों के लिए खतरे का कारण बन गई है। राजस्थान की साम्भर झील कई वर्षों से प्रवासी पक्षियों के लिए मौत का मैदान बनती जा रही है। वर्ष 2019 में यहां हजारों पक्षी मरे, पिछले वर्ष लगभग 200 और इस साल भी करीब 70 पक्षियों के शव मिले। मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए सैंपलों से पुष्टि हुई कि इन मौतों का मुख्य कारण एवियन बोटुलिज्म ही है, जो लगातार झील में पक्षियों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

भारत में विदेशी पक्षियों के लिए सबसे बड़े ठिकाने में से एक साम्भर झील में आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही है। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजातियों के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही रही है। सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिग्री तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़कर आते हैं, विज्ञान के लिए भी अनसुलझी पहेली है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'साम्भर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों—जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। अब यह झील 4700 वर्ग किमी में सिमट गई है। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ प्रतिशत-196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की ज़मीन पर कब्जा करता रहता है। इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बनाए रखने के लिए इसमें छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली के बाद यहां विदेशी पक्षियों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं।पक्षियों में एवियन बॉटुलिज्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नामक बैक्टीरिया की वजह से फैलती है।

यहां साम्भर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है। यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देते हैं। उनके पंख एवं पैरों में लकवा हो जाता है। अंत में प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाईपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पक्षियों ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हुई। । औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है।

वर्ष 2010 में भी पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ। दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने साम्भर झील को रामसर साइट घोषित किए जाने के बाद यानी 24 मार्च, 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है।

कानून-व्यवस्था की कमान सड़क पर उतरी

» पैदल गश्त कर एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने देखी सुरक्षा व्यवस्था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। जिले मे कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और भरोसेमंद बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने थाना रनियां एवं अकबरपुर क्षेत्र में पैदल गश्त कर प्रशासनिक सक्रियता का सशक्त संदेश दिया।

ठंड, कोहरे और मौसमी चुनौतियों के बीच स्वयं सड़कों पर उतरकर पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा इंतजाम देखने के साथ दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना।

पैदल गश्त के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस उपस्थिति को परखा गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। कहाकि गश्त को औपचारिकता नहीं, बल्कि सतत निगरानी और जनसंपर्क का सशक्त माध्यम बनाया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस फोर्स को निर्देशित किया कि अपराधियों के प्रति सख्ती के साथ-साथ आमजन के प्रति व्यवहार में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना बनी रहनी चाहिए, ताकि हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित और आश्वस्त महसूस कर सके। महिला सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और रात्रिकालीन गश्त को लेकर दिए गए विशेष दिशा-निर्देशों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिला पुलिस हर मौसम, हर परिस्थिति और हर समय जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की इस पैदल गश्त और जनसंवाद से न केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिली है, बल्कि आमजन के बीच यह भरोसा भी गहराया है कि कानपुर देहात में पुलिस नेतृत्व कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि जनता के बीच खड़ा दिखाई देता है।

साइबर क्राइम: जीवित प्रमाणपत्र के नाम पर 8.26 लाख की ठगी

पीएनबी कर्मचारी बनकर भेजा फर्जी लिंक, फोन हैंग होते ही खाते से निकल गई रकम

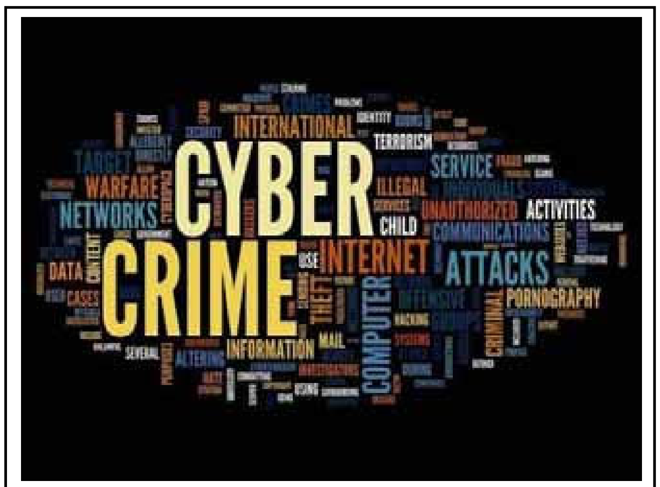

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रावतपुर क्षेत्र में रहने वाले एक सेवानिवृत बैंककर्मी साइबर ठगों के शिकार हो गए। ठग ने खुद को पंजाब नेशनल बैंक का कर्मचारी बताकर जीवित प्रमाणपत्र अपडेट करने के नाम पर एक फर्जी लिंक भेजा। लिंक ओपन करने के दौरान पीड़ित का मोबाइल फोन हैंग हो गया और कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से करीब 8.26 लाख रुपये पार हो गए।

रावतपुर के विनायकपुर स्थित इनकम टैक्स हाउसिंग सोसायटी निवासी जयप्रकाश निगम, जो पंजाब नेशनल बैंक से रिटायर हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह कॉल 30 अक्टूबर को आई थी। कॉलर ने अपना नाम दीपक मिश्रा, पीएनबी कर्मचारी बताते हुए लिंक भरने का झांसा दिया। देर शाम मोबाइल चेक करने पर कई ट्रांजेक्शन के मैसेज देखकर वह हैरान रह गए। पीड़ित ने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पता चला कि एक खाते से 7.90 लाख रुपये और दूसरे खाते से 36,600 रुपये निकाले गए। रावतपुर थाना प्रभारी मनोज मिश्रा ने बताया कि पुलिस की कार्रवाई में करीब 63 हजार रुपये होल्ड कराए गए हैं। मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक से जुड़ी प्रक्रियाओं के नाम पर किसी भी अंजान कॉल या लिंक पर भरोसा न करें।

शासकीय सेवा नियमों का उल्लंघन निजी स्तर पर मरीज देखे जा रहे

» हड्डी रोग विशेषज्ञ की निजी प्रैक्टिस पर भाजपा नेता का आरोप, सीएमओ से जांच की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जिला अस्पताल अयोध्या में तैनात हड्डी रोग विशेषज्ञ पर अवैध रूप से निजी प्रैक्टिस करने का गंभीर आरोप लगा है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखकर निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

डॉ. रजनीश सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि जिला अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत डॉ. आशीष श्रीवास्तव द्वारा शासकीय सेवा नियमों का उल्लंघन करते हुए निजी स्तर पर मरीज देखे जा रहे हैं। जबकि उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा नियमों के अनुसार जिला अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान में तैनात पूर्णकालिक चिकित्सकों को निजी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं है।

भाजपा नेता का आरोप है कि निजी प्रैक्टिस के कारण सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर उचित उपचार नहीं मिल पा रहा है, जिससे खासकर गरीब व जरूरतमंद मरीजों का शोषण हो रहा है। उन्होंने इसे सरकारी सेवक आचरण नियमावली, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के दिशा-निर्देशों और शासनादेशों का खुला उल्लंघन बताया है।

डॉ. रजनीश सिंह ने सीएमओ से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कठोर विभागीय व अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, साथ ही भविष्य में जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस पर प्रभावी रोक सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जनहित में इस शिकायत पर शीघ्र संज्ञान लेने की अपील की है।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या, अंतर्राष्ट्रीय चुप्पी पर सवाल !

» भारत विरोधी उन्माद और दोहरे मानवाधिकार मानदंड उजागर

» यूनाइटेड नेशन सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन भी कर रहे बांग्लादेश मुद्दे पर अनदेखी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ढाका/नई दिल्ली।बांग्लादेश में हालिया हिंसा के दौरान एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी और मानवाधिकारों पर अपनाए जा रहे दोहरे मापदंडों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां कुछ दिन पहले तक वैश्विक मंचों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और मानवता की दुहाई दी जा रही थी, वहीं बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा पर विश्व शक्तियां और अंतरराष्ट्रीय संगठन मौन साधे नजर आए।

बताया जा रहा है कि कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात बिगड़ने लगे। ढाका समेत कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गए। आगजनी, तोड़फोड़, सरकारी संपत्ति को नुकसान और भारत विरोधी नारेबाजी की घटनाएं सामने आईं। मीडिया संस्थानों को भी निशाना बनाया गया।

हिंसा की सबसे भयावह घटना मैमनसिंह जिले से सामने आई, जहां हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को पेड़ से लटकाकर सड़क पर लाया गया और आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना से पूरे हिंदू समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल है।

घटना के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हत्या की निंदा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है और कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर स्थिति सामान्य होने से दूर बताई जा रही है। इससे पहले भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिरों में तोड़फोड़ और पलायन की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार हिंसा ने अत्यंत क्रूर रूप ले लिया है।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पश्चिमी देशों और मानवाधिकार संगठनों की ओर से इस हत्या पर कोई ठोस या तीखा बयान सामने नहीं आया। इसके उलट, ढाका में प्रमुख अखबारों—प्रथम आलो और द डेली स्टार—के दफ्तरों पर हमलों के बाद प्रेस स्वतंत्रता को लेकर बयान जारी किए गए। इसे मानवाधिकारों की चयनात्मक व्याख्या के तौर पर देखा जा रहा है।

विवाद उस वक्त और गहरा गया जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा शरीफ उस्मान हादी को श्रद्धांजलि दिए जाने की खबर सामने आई। हादी का नाम भारत विरोधी राजनीति और तथाकथित 'ग्रेटर बांग्लादेश' के विवादित नक्शे से जुड़ा रहा है, जिसमें भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दर्शाया गया था।

मामला अब खेल जगत तक पहुंच गया है। इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को खरीदे जाने को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। अतीत में उनके भारत विरोधी पोस्ट पसंद करने को लेकर विवाद हो चुका है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारत को खेल और राजनीति के बीच संतुलन पर नए सिरे से विचार करना चाहिए।

सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि जब बांग्लादेश में भारत विरोधी नारेबाजी और हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, तब भारतीय क्रिकेट संस्थाएं चुप क्यों हैं। पाकिस्तान के मामले में खेल संबंध तोड़ने का उदाहरण देते हुए बांग्लादेश को लेकर भी सख्त रुख अपनाने की मांग उठ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश में उभरता कट्टरपंथ केवल वहां के अल्पसंख्यकों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है।

यह घटनाक्रम इस बात की चेतावनी है कि कट्टर सोच को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

भारत के सामने अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और सख्त नीति अपनाने की चुनौती है। यह मुद्दा केवल एक हत्या या खेल तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ा बताया जा रहा है।

यूपी के विद्यालयों में महिला शौचालयों की बदहाली का उठाया मुद्दा

» नियम 110 के तहत भाजपा एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने विद्यालयों में महिला शौचालयों की बदहाली का मुद्दा उठाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के विद्यालयों और महाविद्यालयों में साफ-सफाई, विशेषकर महिला शौचालयों की दयनीय स्थिति को लेकर भाजपा एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने आज नियम 110 के अंतर्गत सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने राज्यभर में विशेष अभियान चलाकर विद्यालय-महाविद्यालयों के शौचालय, खासकर महिला शौचालयों को दुरुस्त कराने तथा छात्राओं के लिए यथासंभव सैनिटरी नैपकिन की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग की। इस विषय पर सदन में चर्चा और वक्तव्य कराए जाने की भी उन्होंने अपील की।एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य स्वच्छता अभियान चल रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्कूल-कालेजों में फैली गंदगी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इसका सीधा असर छात्रों के स्वास्थ्य और उनकी पढ़ाई पर पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि प्रदेश के अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों में शौचालयों की स्थिति अत्यंत खराब है। कई जगहों पर पानी, साबुन जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। राजधानी लखनऊ के कई कालेजों में हालात यह हैं कि छात्र-छात्राएं मूलभूत जरूरतों के लिए भी परेशान हैं। कहीं शौचालयों में दरवाजे नहीं हैं तो कहीं खिड़कियों के शीशे टूटे हुए हैं। ऐसी स्थिति में छात्राएं शौचालय का उपयोग करने से कतराती हैं।विजय बहादुर पाठक ने विशेष रूप से राजधानी के आईटी गुरुनानक गर्ल्स पीजी कालेज सहित एक दर्जन से अधिक कालेजों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां महिला शौचालयों की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। यही हाल प्रदेश के अन्य जनपदों गाजियाबाद, आजमगढ़, बरेली, जौनपुर और पीलीभीत जैसे जिलों में भी देखने को मिल रहा है।अधिकांश महिला विद्यालयों में सैनिटरी नैपकिन की व्यवस्था नहीं है। कई स्थानों पर पहले लगी मशीनें भी हटा दी गई हैं, जिससे छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। एमएलसी ने सरकार से मांग की कि इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेते हुए राज्यभर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए, ताकि छात्राओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

जिला जज ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का हाल देखा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिला जज रणंजय वर्मा ने जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण/प्रभारी एसएसपी बलवंत चौधरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जेल अधीक्षक के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों की स्थिति, पाठशाला, रसोईघर की साफ-सफाई, भोजन व पेयजल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। जिला जज ने किशोर बैरक में बच्चों से बातचीत की तथा जेल अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता और शीतलहर को देखते हुए अलाव की व्यवस्था का भी जायजा लिया।

हद है: एडीओ पंचायत की भी नहीं सुन रहे ग्राम पंचायत सचिव

» अखबारों में छपने के बाद भी नहीं ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार

» अभी तक नहीं हो सका सामुदायिक शौचालय का पुनः संचालन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। स्वच्छ भारत मिशन की लाखों की योजनाएं गांव में धूल फांक रही हैं। गांव के लोगों को खुले में शौच जाने से रोकने के लिए व्यक्तिगत शौचालय के साथ सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण कराया गया है लेकिन पंचायत में तैनात जिम्मेदार लोगों के लापरवाही से गांव में बने सामुदायिक शौचालय क्रियाशील नहीं हो पा रहे है। हालत यह है की बिना बिजली पानी के संचालन दावे किए जा रहे हैं।

स्वराज इंडिया
डीपीआरओ साहब, कब शुरू किया जाएगा सामुदायिक शौचालय

क्या बोले एडीओ पंचायत अकबरपुर

एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव को कड़े निर्देश दिए थे लेकिन फिर भी आदेश की अवेहलना किया है संबंधित ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। सही जवाब न मिलने पर उच्च अधिकारी को रिपोर्ट भेजी जायेगी।

FOLLOW UP

इससे लोगों में आक्रोश पनप रहा है। वही शौचालय का संचालन कागजों पर दिखाकर पंचायत सचिव केयरटेकर का भुगतान फर्जी तरीके से कर रहे हैं जिससे सरकारी धनराशि का दुरुपयोग भी हो रहा है। उक्त समस्या की खबर हिंदी दैनिक स्वराज इंडिया अखबार ने 8 दिसंबर के अंक में प्रकाशित होने के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है। इससे योजनाओं का संचालन रामसहारे चल रहा है। शासन ने ग्रामीण इलाकों के लिए लोगों को खुले में शौच जाने से रोकने के लिए गांव-गांव सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया है। सामुदायिक शौचालय निर्माण के साथ-साथ उनके क्रियान्वयन के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंप कर प्रतिमाह 9000 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है। जिसमें 6000 सफाई कर्मचारी 3000 रुपए सामग्री अंश के लिए निर्धारित है। बावजूद इसके सामुदायिक शौचालय के निर्माण के समय पंचायत सचिवों द्वारा बरती गई लापरवाही से जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। सबसे अहम बात ये कि एडीओ पंचायत तक की सुनने को तैयार नहीं है ग्राम पंचायत सचिव। अब देखना ये होगा क्या जिला प्रशासन संज्ञान लेगा या ये पीएम और सीएम की योजनाएं गांवों में दम तोड़ती रहेगी।

चौधरी चरण सिंह जयंती पर समारोह में 36 किसान सम्मानित

» फसल उत्पादकता सुधारने और आधुनिक तकनीक को अपनाने पर जोर दिया गया

कानपुर देहात। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर जनपद में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह का जीवन किसानों के उत्थान को समर्पित रहा है, और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही कृषि को सशक्त बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित कृषि विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के कुल 36 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया है। इनमें रसूलाबाद क्षेत्र के एक किसान को प्रदेश स्तर पर मक्का की उन्नत खेती के लिए विशेष सम्मान प्राप्त हुआ था, जिन्हें आज जनपद स्तर पर भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कृषि उपनिदेशक

ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, फसल उत्पादकता सुधारने और आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए कृषि विभाग हर कदम पर किसानों के साथ खड़ा है। जागरूक किसानों को प्रशिक्षण, बीज, उर्वरक और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि खेती लाभ का व्यवसाय बन सके।सम्मानित किसानों ने सरकार और कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसानों का मनोबल बढ़ाते हैं और नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

तेज रफ्तार डंपर व डीसीएम भिड़े, क्लीनर की मौत

देवीपुर पुलिस चौकी के नायरा पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार तड़के तेज रफ्तार डंपर व डीसीएम के बीच भिड़ंत में डीसीएम के क्लीनर की मौत हो गई।

हादसा भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के झांसी कानपुर नेशनल हाइवे पर नायरा पेट्रोल पंप के पास हुआ।जहां मंगलवार तड़के तेज रसार डंपर ने टमाटर लदें डीसीएम में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डीसीएम का क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह,चौकी प्रभारी देवीपुर अभिषेक कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल क्लीनर को उपचार के लिए जिला

अस्पताल भेजा। जहां उसकी मौत हो गई। मृतक क्लीनर की पहचान 19 वर्षीय करण के रूप में हुई है। भोगनीपुर कोतवाल ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना भेजी गई है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

महिला ने पानी के धोखे पिया जहरीला पदार्थ

कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र की को एक महिला ने गलती से पानी के धोखे उसने जहरीला पदार्थ पी लिया।हालत बिगड़ने पर उसे पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

अमरौधा के कटरा मोहाल निवासी रोहित ने बताया कि उसकी बहन दीपिका (28) ने सोमवार को बोतल में रखे जहरीले पदार्थ को पानी समझकर पी लिया।जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया।परिजनों ने आनन फानन में दीपिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

प्रशासन की टीम ने अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते पकड़े 5 ट्रैक्टर

जेसीबी लेकर खनन करने वाले मौके से हुए फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अवैध खनन पर प्रशासन ने रसूलाबाद तहसील क्षेत्र में देर रात सख्त कार्रवाई की। जिसमें 5 मिट्टी लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया।

लहरापुर रोड के समीप भारामऊ गांव के निकट जेसीबी द्वारा अवैध रूप से मिट्टी खनन किए जाने की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह के निर्देश पर नायब तहसीलदार शिवदर्शन सिंह के नेतृत्व में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। मौके पर मौजूद पांच ट्रैक्टरों को तत्काल जब्त कर लिया गया और उन्हें रसूलाबाद कोतवाली में सीज कर दिया गया। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही जेसीबी चालक मशीन सहित मौके से फरार हो गया।

सूत्रों के अनुसार, इस क्षेत्र में ग्राम सभा तथा वन विभाग की भूमि पर हो रहे अवैध खनन से गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे राजस्व को भारी क्षति के साथ पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। कोतवाली प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। वहीं उपजिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लेखपाल से शीघ्र विस्तृत रिपोर्ट मंगाने के निर्देश दिए हैं तथा दोषियों के खिलाफ कठोरत कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही है।

भोगनीपुर: नहीं थम रहा है मिट्टी बालू का अवैध खनन

अफसरों की आंखों में धूल झोंक रहे खनन माफिया, कार्रवाई न होने से हौसले बुलंद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में खनन माफियाओं को जिला प्रशासन का कोई खौफ नहीं दिखता है। दिनदहाड़े जेसीबी से बालू मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन का गोरखधंधा किया जा रहा है। खनन विभाग को भनक नहीं है। लोगों का कहना है कि सब कुछ मिलीभगत से चल रहा है। अवैध खनन और परिवहन को लेकर कानपुर देहात जिला अक्सर सुर्खियों में रहता है। मामला लखनऊ तक चर्चा का विषय बना हुआ है।। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के जगदीशपुर, सिहारी गांव के जंगल में खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि दिनदहाड़े जेसीबी से मिट्टी व बालू का कारोबार कर रहे हैं। लेकिन खनन विभाग के अधिकारी बेखबर हैं। बालू व मिट्टी की खुदाई से ग्रामीण परेशान हो रहे और समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ओवरलोड ट्रैक्टर बालू भरे जाने से रास्ते भी खराब हो रहे हैं।मिट्टी व धूल के उड़ाने से आम जनमानस को विभिन्न प्रकार की समस्याओं की सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी खनन अधिकारी से लेकर तहसील स्तर के जिम्मेदार लोग मिट्टी खनन माफिया के खिलाफ कार्यवाही से कतरा रहे हैं। जिससे राजस्व का लाखों का चूना लग रहा है। लोगों के बीच यह चर्चा है कि अफसरों को जानकारी के बावजूद खनन माफिया अपना काम धड़ल्ले से कर रहें हैं।

भोगनीपुर में अवैध अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कस्बे में अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही लगातार जारी है। पुलिस प्रशासन ने सोमवार को भोगनीपुर सर्विस रोड तथा सिकंदरा व घाटमपुर रोड पर सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। और कड़ी चेतावनी दी गई। इस दौरान बुलडोजर की कार्यवाही होते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया और उन्होंने फटाफट अपनी अपनी दुकानें खाली करना शुरू कर दीं। प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में सभी अवैध दुकानें खाली कराई गईं। इतना ही नहीं चौराहे पर लगने वाला अवैध स्टैंड और पार्किंग भी हटाई गई। आए दिन जाम की स्थिति को देखते हुए ये सख्त कदम उठाया गया।इस कार्यवाही के दौरान उपजिलाधिकारी भोगनीपुर देवेंद्र सिंह,पुलिस क्षेत्राधिकारी संजय सिंह समेत कई प्रशासनिक अधिकारी व एनएचएआई की टीम मौजूद रही।अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है। अवैध अतिक्रमण के खिलाफ भविष्य में भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा।

लानत है ऐसे कलियुगी पुत्र पर!

कोतवाली में पैरों पर गिरा पिता, शर्म से झुक गई समाज की रीढ़

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

देवरिया। यूपी के देवरिया जनपद के सदर कोतवाली का जो दृश्य सामने आया, वह किसी अपराध की जांच नहीं, बल्कि संस्कारों की मृत्यु और रिश्तों के पतन का सार्वजनिक पोस्टमार्टम था। वहां न कोई खूनी था, न कोई चोर कटघरे में खड़ी थी हमारी आज की परवरिश, हमारी सोच और हमारा समाज।

शहर के एक मोहल्ले का रहने वाला किशोर, जो कक्षा ग्यारह का छात्र और माताङ्पिता का इकलौता बेटा है, किसी मामूली पारिवारिक बात पर पिता की डांट से इतना आहत हो गया कि सीधा कोतवाली पहुंच गया। पिता द्वारा कुछ युवकों के सामने डांटना उसे इतना नागवार गुजरा कि उसने अपने ही जन्मदाता पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दे दी।

पुलिस ने प्रक्रिया के तहत पिता को बुलाया। पिता कोतवाली पहुंचे, उन्होंने पूरी सच्चाई बताई, बेटे को समझाने की कोशिश की, अपने शब्दों में नहीं तो अपने आंसुओं में माफी मांगी लेकिन बेटा नहीं पसीजा। वह बार-बार कार्रवाई की मांग करता रहा, मामा को बुलाने की जिद करता रहा, मानो पिता नहीं कोई अपराधी सामने खड़ा हो।

और फिर वह दृश्य आया, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया।

जिस पिता ने उंगली पकड़कर चलना सिखाया, जिसने रातों की नींद और जीवन की इच्छाएं त्याग कर बेटे को पढ़ाया, वही पिता कानून की चौखट पर अपने ही बेटे के पैरों में गिर पड़ा। हाथ जोड़कर बोला गलती हो गई, माफ कर दो।कोतवाली की फर्श पर गिरे पिता के आंसू केवल एक व्यक्ति की बेबसी नहीं थे, वे पूरे समाज की हार थे। वहां खड़े लोग चुप थे, पुलिस मौन थी और बेटा-पत्थर बना खड़ा था। अंततः पिता की इस आत्मसम्मान की बलि के बाद ही बेटा मानने को तैयार हुआ और घर जाने को राजी हुआ।

यह घटना सिर्फ एक परिवार का मामला नहीं है, यह आज की पीढ़ी के भीतर पनप रहे अहंकार, असहिष्णुता और संवेदनहीनता का आईना है। सवाल यह नहीं कि पिता ने डांटा या नहीं-सवाल यह है कि क्या अब बच्चों के लिए पिता सिर्फ एक कानूनी इकाई बनकर रह गया है?

जिस समाज में पिता बेटे से माफी मांगे, पैरों में गिरे, और बेटा कानून का सहारा लेकर उसे झुकाए-वह समाज खोखला हो चुका है। यह स्वतंत्रता नहीं, यह उद्दंडता है। यह अधिकार नहीं, यह रिश्तों पर किया गया हमला है।

आज जरूरत है कठोर आत्मचिंतन की। बच्चों को शिक्षा के साथ यह भी सिखाना होगा कि गलती पर डांट प्यार का ही एक रूप होती है, और पिता दुश्मन नहीं, सबसे बड़ा संरक्षक होता है। वरना वह दिन दूर नहीं, जब हर घर की कहानी कोतवाली में लिखी जाएगी और हर पिता चुपचाप झुकता नजर आएगा।

ये दृश्य इशारा कर रहे हैं कि अगर अब भी नहीं संभले, तो आने वाली पीढ़ी रिश्तों को अदालतों में और संस्कारों को किताबों में ढूंढती नजर आएगी।

फतेहपुर-मनरेगा घोटाले में ग्राम प्रधान सहित जेई गिरफ्तार

एक जागरूक ग्रामीण की शिकायत पर हुआ बड़ा खुलासा
प्रधान और सेक्टर अधिकारी जेल भेजे गए

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। जिले की ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। असोथर ब्लाक के अंतर्गत सरकंडी गांव में मनरेगा योजना में हुए भारी घोटाले का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस ने ग्राम प्रधान और सेक्टर अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार असोथर ब्लाक में तैनात सेक्टर अधिकारी (जेई सिविल)नरेंद्र गुप्ता और सरकंडी गांव की ग्राम प्रधान पुष्पा द्विवेदी ने आपसी मिलीभगत से सैकड़ों मजदूरों के नाम पर फर्जी भुगतान दिखाकर पचास लाख रुपये से अधिक की धनराशि का गबन किया।

आरोप है कि कागजों में मजदूरों को काम पर लगाया गया, जबकि हकीकत में अधिकांश कार्य या तो हुए ही नहीं या फिर बेहद कम स्तर पर कराए गए।

इस गंभीर मामले को लेकर गांव के ही एक शिक्षित व्यक्ति ने कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत भेजी थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए फतेहपुर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान प्रस्तुत अभिलेखों, भुगतान विवरण और जमीनी सत्यापन में लगाए गए आरोप सही पाए गए।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने ग्राम प्रधान पुष्पा द्विवेदी और सेक्टर अधिकारी नरेंद्र गुप्ता को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों के खिलाफ साक्ष्य मजबूत हैं और आगे की कार्रवाई तेज़ी से की जा रही है।

प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि घोटाले की पूरी राशि की वसूली की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपितों और उनके परिजनों से गबन की गई धनराशि की रिकवरी की जाएगी।

इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते शिकायत पर कार्रवाई न होती तो सरकारी योजनाओं के नाम पर लूट का यह खेल यूं ही चलता रहता। मामले के खुलासे के बाद पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश गया है और अन्य पंचायतों में भी जांच की मांग उठने लगी है।

5 जनवरी को होगा कंबल वितरण व प्रतिभा सम्मान समारोह

जिला ब्लॉक प्रमुख संघ अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।निराश्रितों की सहायता और मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर वर्ष की भांति आगामी 5 जनवरी को वृहद कंबल वितरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह के पिता कीर्तिशेष प्रभात सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर पूरा ब्लॉक की मडना ग्राम सभा में होगा।

शहर के एक होटल में प्रेसवार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने बताया कि समारोह में करीब 20 हजार निराश्रितों, दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

साथ ही हाईस्कूल के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उपहार स्वरूप साइकिलें भी दी जाएंगी।उन्होंने बताया कि उनके पिता स्व. प्रभात सिंह अपने जीवनकाल में प्रतिवर्ष निराश्रितों, दिव्यांगों और जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते थे। उसी प्रेरणा को जीवंत बनाए रखने के लिए यह आयोजन लगातार किया जा रहा है। समारोह में रामनगरी अयोध्या धाम के पूज्य संत-महंत, धर्माचार्य, प्रदेश सरकार के कई कद्दावर मंत्री, जनपद अयोध्या सहित अन्य जनपदों के जनप्रतिनिधि, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में समाजसेवी शामिल होंगे।आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए सतर्क वॉलिंटियर्स की एक टीम गठित की गई है, जिसे आमंत्रण पत्र वितरण, लाभार्थियों की सूची तैयार करने के साथ अब आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दारू-मुर्गा पार्टी में बहा खून दावत बनी मौत की साजिश

» एसपी ग्रामीण ने किया प्रेसवार्ता में खुलासा

» सिर काटकर जलाया शव, जांच में खुला राज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिसे दोस्त समझा, वही कातिल निकले। हंसी-मजाक, दारू-मुर्गा और यारी की बातों के बीच जो शुरू हुआ, उसका अंत नहर की पटरी पर पड़े एक अधजले, सिर-कटे शव के रूप में हुआ। अयोध्या के थाना पटरंगा क्षेत्र का मुरादाबाद गांव उस दिन खौफ और सनसनी का गवाह बना, जब 20 दिसंबर को एक युवक की नृशंस हत्या ने पूरे इलाके को हिला दिया।

बता दें कि नहर की पटरी के पास पड़ा शव आधा जला हुआ था। सिर धड़ से अलग। चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। मौके से एक घड़ी, लाइटर और जले हुए कपड़े मिले। पुलिस की गहन जांच में मृतक की पहचान खजूरी गांव निवासी तारिक के रूप में हुई। तारिक का कसूर बस इतना था कि वह अपनों पर भरोसा करता था।

पूर्व में सड़क हादसे में उसका एक पैर चोटिल हो गया था। इसी कमजोरी को लेकर उसके दोस्त अक्सर उसे चिढ़ाते, ताने मारते थे। घटना वाली रात तारिक अपने दोस्तों जमाल और अब्दुल के साथ दारू-मुर्गा पार्टी कर रहा था। शराब के नशे में कम हिस्सेदारी को लेकर कहासुनी हुई।

बात इतनी बढ़ गई कि गुस्से में जमाल और अब्दुल ने चाकू उठा लिया। कुछ ही पलों में दोस्ती का खून हो गया। कत्ल के बाद भी आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए तारिक का सिर धड़ से अलग किया, शव पर पुआल डाला और आग लगा दी।

उन्हें लगा कि आग सब कुछ मिटा देगी, लेकिन सच की लपटें और तेज हो उठीं।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कड़ी मेहनत से कड़ियां जोड़ीं। आखिरकार जमाल और अब्दुल को गिरफ्तार कर लिया गया।

उनके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू, खून से सने कपड़े बरामद किए गए। दोनों को जेल भेज दिया गया। यह घटना सिर्फ एक हत्या की नहीं, बल्कि उस सोच की है जहां शराब, लालच और गुस्सा इंसान को हैवान बना देता है।

हमें पैसे नहीं चाहिए, केवल न्याय चाहिए

निर्मला हॉस्पिटल के खिलाफ सड़कों पर उतरा पीड़ित परिवार,कांग्रेस नेता शरद शुक्ला बने आवाज़, प्रेसवार्ता में फूटा गुस्सा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।निर्मला हॉस्पिटल में हुई संदिग्ध मौत को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता ने उस सच्चाई से पर्दा उठा दिया, जिसे अब तक सफेद कोट और रसूख के पर्दे में छुपाने की कोशिश की जा रही थी। एक ओर पीड़ित परिवार की कांपती आवाज़, दूसरी ओर कांग्रेस नेता शरद शुक्ला का तीखा तेवर यह प्रेसवार्ता नहीं, बल्कि भ्रष्ट चिकित्सा व्यवस्था के खिलाफ खुला ऐलान-ए-जंग थी।

पीड़ित परिवार ने साफ कहा हमें पैसे नहीं चाहिए, हमें न्याय चाहिए।चेतावनी दी अगर इस मौत को यूं ही दबाया गया, तो यह व्यवस्था खुद कटघरे में खड़ी होगी।प्रेसवार्ता में पीड़ित परिजनों ने सीधे सवाल उठाए इलाज के दौरान नर्स कहां थी? ऑपरेशन/इलाज के समय मौजूद स्टाफ अब गायब क्यों है? डॉक्टर ने खुद कागज पर क्यों लिखा मृत्यु क्यों हुई? परिवार का आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही हुई हालत बिगड़ने के बावजूद कहा गया कोई समस्या नहीं है और कुछ ही समय बाद मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने प्रेसवार्ता में बताया कि मरीज की हालत बिगड़ने पर बार-बार डॉक्टर से गुहार लगाई गई, लेकिन जवाब एक ही था सब ठीक है, कोई समस्या नहीं है। अगर कोई समस्या नहीं थी, तो मौत क्यों हुई? और अगर मौत हो गई, तो जिम्मेदार कौन?

कांग्रेस नेता का तीखा हमला

प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता शरद शुक्ला ने प्रशासन और हॉस्पिटल प्रबंधन दोनों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा यह सिर्फ एक परिवार की मौत नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की हत्या है। अगर आज निर्मला हॉस्पिटल पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कल कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने मांग रखी निर्मला हॉस्पिटल तत्काल सील किया जाए डॉ. आरके बनौधा समेत जिम्मेदार स्टाफ पर मुकदमा दर्ज हो पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए यह समर्थन राजनीतिक नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई में साथ खड़े होने का साहस था।प्रेसवार्ता में डॉ. आर.के. बनौधा को लेकर भी गंभीर सवाल उठे। जिन्हें समर्थक चमत्कारी डॉक्टर बताते हैं, उन्हीं के इलाज में मौत हो गई। शरद शुक्ला ने सवाल दागा अगर इलाज चमत्कारी था, तो परिणाम मौत क्यों? क्या चमत्कार सिर्फ फीस तक सीमित है? या फिर जवाबदेही से बचने का जादू? परिवार पैसे के लिए प्रोपेगेंडा कर रहा है। प्रेसवार्ता में पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि हॉस्पिटल की ओर से यह कहा जा रहा है परिवार पैसे के लिए प्रोपेगेंडा कर रहा है।

इस पर शरद शुक्ला भड़क उठे, कहा कि जिस परिवार ने अपनों को खो दिया, उसे दलाल कहने वालों को पहले आईना दिखाना चाहिए।परिवार ने दोहराया हमें मुआवजा नहीं, इंसाफ चाहिए। यह प्रेसवार्ता सिर्फ बयान नहीं थी, यह एक चेतावनी थी उस सिस्टम के नाम जो मौत को नो प्रॉब्लम कहकर फाइल बंद कर देता है। क्या अयोध्या मेंअब इंसाफ भी अस्पताल की पर्ची पर लिखा जाएगा? पीड़ित परिवार की आख़िरी पुकार हमें न्याय चाहिए किसी और की मौत नहीं। यह मामला अब बंद नहीं होगा।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सीएम योगी ने किसानों को दिए ट्रैक्टर

सोलह लाख अन्नदाताओं के बिल को पूरा कर दिया माफ

» कहा- समृद्धि की ओर अग्रसर है किसान।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेशवासियों को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती किसान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि चौधरी साहब का संपूर्ण जीवन गांव, गरीब, शोषित, वंचित और किसान बंधुओं की समृद्धि के लिए समर्पित रहा। वहीं, इस मौके पर सीएम योगी ने लखनऊ में किसानों को ट्रैक्टर बांटा। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अन्नदाताओं को सम्मान दिलाने का काम किया। हमने किसानों की गरिमा बढ़ाई। यूपी सरकार किसानों की आय को दोगुना करने पर काम कर रही है। किसान एजेंडे का हिस्सा बन सकता है। ये 2014 में देखने को मिला।

सीएम योगी आदित्यना ने आगे कहा साल 1996 से 2017 तक अन्नदाता किसानों को जितना गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, हमने मात्र 8 सालों में उससे भी ज्यादा लगभग 75000 करोड़ से अधिक की धनराशि अन्नदाता किसानों के खातों में डाली है। आज आप देख रहे हैं कि यूपी में किसान समृद्धि की ओर अग्रसर हुआ है। हर बार डिमांड होती है कि गन्ना का पैसे का दाम बढ़ाया जाए। लेकिन 5 रुपये और 7 रुपये बढ़ता था। हमने कहा कि ऐसा बढ़ाओ कि सबका मुंह बंद हो जाए। 400 रुपये हम लोगों ने बढ़ाया। आरएलडी के लोग मुझे रोज घेरते थे। लेकिन जबसे बढ़ाया गया है, तब से खोजते हैं लेकिन बोलते नहीं हैं। सीएम योगी ने कहा16 लाख निजी ट्यूबवेल से जुड़े हुए जितने भी हमारे अन्नदाता किसान थे, इनके ट्यूबवेल के बिल को पूरी तरह से माफ कर दिया है। राज्य सरकार उसका भुगतान करती है।

एक्स पर भी दी श्रद्धांजलि

योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ‘किसानों के मसीहा, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अन्नदाता किसानों एवं प्रदेश वासियों को किसान दिवस की हार्दिक बधाई। चौधरी साहब का संपूर्ण जीवन गांव, गरीब, शोषित, वंचित और किसान बंधुओं की समृद्धि के लिए समर्पित रहा। डबल इंजन सरकार चौधरी चरण सिंह की प्रेरणा से किसान साथियों के हितों के लिए प्रतिबद्धता पूर्वक कार्य कर रही है।’

कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने सजा को किया सस्पेंड

उन्नाव रेप केस: 15 लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश

» जेल से आने के बाद कई शर्तें रहेंगी लागू।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। 2017 के उन्नाव रेप कांड में भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें मिली उम्रकैद की सजा को फिलहाल निलंबित कर दिया है। सेंगर को 15 लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश भी दिया है। हालांकि जेल से बाहर आने पर सेंगर पर कई तरह की शर्तें लागू रहेंगी। इसमें रेप पीड़िता के पांच किलोमीटर के दायरे में नहीं आने और दिल्ली में ही रहने की शर्त शामिल है। पीड़िता को किसी भी प्रकार से धमकी नहीं देने और अपना पासपोर्ट ट्रॉयल कोर्ट में जमा करने का भी निर्देश दिया गया है।

खबरों के मुताबिक कुलदीप सिंह सेंगर ने ट्रायल कोर्ट से मिली उम्र कैद की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने मामला लंबित रहने के दौरान सजा निलंबित रखने की मांग भी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट ने सेंगर को हर सोमवार को पुलिस को रिपोर्ट करने का भी आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि यदि एक भी शर्त का उल्लंघन किया जाता है तो जमानत रद्द कर दी जाएगी।

बता दें कि 2017 में हुए उन्नाव रेप केस में कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी पाया गया था। उन्नाव के इस कांड ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। सेंगर पर एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस केस को उत्तर प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर कर दिया था। 2019 में अदालत ने सेंगर को मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही सेंगर पर 25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

चार बार विधायक रह चुके कुलदीप सिंह सेंगर की विधानसभा सदस्यता भी चली गई थी। कुलदीप सिंह सेंगर भाजपा से पहले कांग्रेस, बसपा और सपा में भी रह चुके थे। 2002 में पहली बार सेंगर ने उन्नाव सदर सीट पर बसपा से, 2007 में बांगरमऊ सीट और 2012 में भगवंतनगर सीट पर सपा से जीत हासिल की थी। वहीं 2017 में भाजपा से बांगरमऊ सीट पर चुनाव जीता था।

बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने लगाए नारे- हिंदू हत्या बंद करो

हिंदू युवक की हत्या का मामला

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की कथित तौर पर भीड़ द्वारा हत्या किए जाने के बाद नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर मंगलवार को भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और कई जगह पुलिस से झड़प की खबरें भी सामने आईं।

प्रदर्शनकारियों ने भारत माता की जय, यूनुस सरकार होश में आओ और हिंदू हत्या बंद करो जैसे नारे लगाए। आक्रोशित भीड़ ने सुरक्षा बैरिकेड्स को धक्का दिया, जिससे कम से कम दो परतों के बैरिकेड टूट गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का पुतला भी फूंका। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, अगर आज हम आवाज़ नहीं उठाएंगे तो कल हर कोई दीपू बन जाएगा।

18 दिसंबर को हुई थी दीपू की हत्या

दरअसल, बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले के बालुका इलाके में 18 दिसंबर को 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की कथित तौर पर भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि हत्या के बाद उसके शव को आग के हवाले कर दिया गया। बताया गया कि घटना कथित ईशनिंदा के आरोप से जुड़ी थी। इस घटना ने भारत समेत कई देशों में आक्रोश पैदा किया है। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों को पहले से ही हाई अलर्ट पर रखा गया था। हाई कमीशन के बाहर तीन स्तरों की बैरिकेडिंग की गई थी। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया और बाद में दोबारा बैरिकेडिंग बहाल की। प्रोटेस्ट के दौरान एक शख्स बिलखते हुए कहता है- ये देश राम का है। ये देश कृष्ण का है। हम किसी को नहीं मारते, लेकिन हमारी बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है।

संभल में मुस्कान कांड जैसी दरिंदगी प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या

ग्राइंडर से पूरी बॉडी को काट डाला, खुद ही लिखवा दी गुमशुदगी की रिपोर्ट

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

संभल। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए चर्चित मुस्कान कांड की यादें अभी पूरी तरह फीकी भी नहीं पड़ी थीं कि संभल जिले के चंदौसी से ठीक वैसी ही रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर न केवल अपने पति की बेरहमी से हत्या की, बल्कि शव को कसाई की तरह काटकर टुकड़ों में बांट दिया। इसके बाद इन टुकड़ों को पॉलीथिन में भरकर अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया गया। पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में मृतक की पत्नी रूबी और उसके प्रेमी गौरव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की जानकारी फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई है।

दरअसल, चंदौसी के पतरोआ रोड स्थित ईदगाह के बाहर 15 दिसंबर को पॉलीथिन में बंद एक युवक के शव के टुकड़े मिलने से हड़कंप मच गया। पॉलीथिन खोलने पर पुलिस और स्थानीय लोगों के होश उड़ गए। हत्यारों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए युवक का सिर, हाथ और पैर अलग-अलग काट दिए थे। मांस के लोथड़ों और शरीर के हिस्सों को देखकर साफ था कि हत्या बेहद नृशंस तरीके से की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम के साथ जांच शुरू की गई।

शव का सिर गायब होने के कारण शुरुआत में मृतक की पहचान करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया। हालांकि, कटे हुए हाथ पर लिखा नाम पुलिस के लिए अहम सुराग साबित हुआ। जांच में पता चला कि मृतक मोहल्ला चुन्नी निवासी राहुल है। इससे जुड़ा एक और चौंकाने वाला तथ्य तब सामने आया, जब पुलिस को जानकारी मिली कि राहुल की पत्नी रूबी ने 18 नवंबर को खुद कोतवाली पहुंचकर पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

शक के आधार पर खुलासा

पुलिस को शक तब हुआ जब पूछताछ के दौरान रूबी के बयानों में लगातार विरोधाभास सामने आने लगे। सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए जब कड़ियां जोड़ी गईं तो पूरा मामला सामने आ गया। शनिवार को मिले कपड़ों के आधार पर परिजनों ने भी राहुल की पहचान कर ली। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रूबी और उसके प्रेमी गौरव को गिरफ्तार कर लिया।

राहुल की 15 साल पहले कस्बा चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी की रहने वाली रूबी से शादी हुई थी। दोनों की एक बेटी (10) और एक बेटा (12) साल का है। राहुल जूते का व्यापार करता था। वह 18 नवंबर से लापता था। करीब एक माह बाद कटा बाजू बरामद होने के बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पीले रंग का ग्राइंडर, मृतक व अभियुक्तों के खून से सने कपड़ों व बैग की राख, दो मोबाइल, कील ठोकने वाली एक हथौड़ी, एक बैग, एक लोहे की रॉड, एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर ब्लैक कलर की, एक एक्टिवा स्कूटी मैरून कलर की, सिल्वर कलर की कार बरामद की है।